PRETILACHLOR 50% E.C.(SELECTIVE HERBICIDE)

Caution : Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet.

Pretilachlor 50% ec is a selective pre- emergence broad spectrum herbicide for the control of annual grasses, sedges and broad leaved weed in transplant Rice.

Recommendation:

Crop(S)	Common name of pest	Dosage/HA. A.I. (kg)	formulation (Ltrs.)	Dilution in water (Ltr)	Waiting period between last spray to harvest (in days)
Transplanted rice	Echinochloa crusgalli, Echinochola colonum, Cyperus difformis, Cyperus iria, Fimbristylis miliacea, Eclipta alba, Ludwigia parviflora, Leptochloa chinensis, Monochoria vaginalis, Pancium repens	500-750	1000-1500	500-750	75-90

Direction Of Use: Measure out the product and mix it well with a small quantity of water as specified with thorough agitation for high volume application through knapsack with flat fan/flood zet nozzle.

Time of Application: Within 5 days after transplanting.

Precaution: 1. Keep away from foodstuffs, empty foodstuffs containers and animals food. 2. Avoid contact with mouth, eyes and skin. 3. Avoid inhalation the spray mist. Spray in the direction of wind. 4. Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying. 5. Do not smoke, drink, eat, and chew anything while spraying. 6. Wear full protective clothing while mixing and spraying.

Symptoms Of Poisoning: Headache, lethargy, giddiness, nervousness, nausea, vomiting, may occur.

First Aid: 1. If swallowed, induce vomiting by tick - ling the back of the throat. Repeat it until the vomitus is clear, Do not induce vomiting if the patient is unconscious. 2. If clothing and skin are contaminated, remove the clothes and wash the contaminated skin copious amount of soap and water. 3. If eyes are contaminated, flush with plenty of saline/clean water for about 10-15 minutes. 4. If inhaled, remove the patient to fresh air.

Antidote: No specific antidote is known. Treat symptomatically.

Disposal of used container: a. The package shall be broken and buried away from inhabitation. B. The used package shall not be left out side to prevent their re-use. C. The package or surplus material and washing should be disposed of in safe manner so as to prevent environmental or water pollution.

Storage Conditions: 1. The packages containing the fungicide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depend upon the quantity and nature of the fungicide. 2. The rooms or premises meant for storing the insecticide shall be well built, dry, well-lit, ventilated and of sufficient dimensions to avoid contamination with vapor.

Chemical Composition:

Pretilachor a.i.	: 50.00 % w/w
(Min. purity 94% w/w a.i.)	
Emulsifing agent :	: 4.4 % w/w
(ethoxylated vegetable oil)	
Wetting agent :	: 3.6 % w/w
(Alkyl aryl sulphonate of calcium salt)	
Stabilizer :	: 3.00 % w/w
(Epoxidised vegetable oil)	
Solvent C-IX	: Q.S %
Total	: 100.00 % w/w

प्रेटिजाक्लोर 50 प्रतिशत ई.सी. (चयनात्मक खरपतवारनाशक)

सावधानी : लेबल/पत्रिका पर निर्देशित फसलों के अलावा अन्य फसलों पर प्रयोग करना मना है ।

प्रेटिजाक्लोर ५० प्रतिशत ई.सी. एक चुनिंदा खरपतवारनाशक है जिससे भार/भार के हिसाब से ५० प्रतिशत पेटिलाक्लोर ई.सी. के रूप में मौजूद होता है। यह खरपतवारनाशक जो घास, मोथा तथा चोड़े पत्ते वाले खरपतवारों के नियत्रंण लिए रेपित धान में इस्तेमाल किया जाता है।

उपयोग

फसल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा स. तत्व (ग्राम)	संरचना (मिली)	पानी की मात्रा (लीटर)	अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल (दिन)
रोपित धान	सवांघास, सावन/ दूजिया घास छत्रीवाला मोथा, वार्षिक मोथा, वीडाकोरा, मंग्रा, मुन्डावली लेपटोक्लोवा चायनैनसिस, नानका सनवाक (कनकी)	५००-७५०	१०००-१५००	५००-७५०	७५-९०

उपयोग के लिए निर्देश : इसका उपयोग रोपाई के ५ दिन के भीतर (उगने से पूर्व) करना चाहिए। पहले उत्पाद की वांछित मात्रा, थोड़े से पानी के साथ अच्छी तरह से मिलाएं। फिर उपर निर्दिष्ट मात्रा का बाकी पानी मिलाकर अच्छी तरह से मिलाएं और नैपसैक स्प्रयेर, जिस पर फ्लैट फैन/फ्लड जैट नोजल लगा हो, छिड़काव करें।

प्रयोग का समय : रोपाई के आद ५ दिन के अंतर।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां १. खाद्य सामग्री, खाद्य सामग्री के खाली बर्तन और पशुओं के चारे से दूर रखें। २. मुँह, त्वचा और आँखों, के संपर्क से बचाएं। ३. छिड़काव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचाएं। हवा की दिशा में छिड़काव करें। ४. छिड़काव के बाद दूषित कपड़ों और शरीर के अंगों को अच्छी तरह धोएं। ५. छिड़काव के समय धूम्रपान, खाना, पीना और कुछ चबाना नहीं चाहिए। ६. छिड़काव करते या मिलाते समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपड़े पहनें।

विष के लक्षण : सिरदर्द, सुस्ती, मितली, उल्टी, घबराहट, चक्कर आना हो सकता है।

प्राथमिक चिकित्सा: १.यदि निगल जाए तो गले के पीछे गुदगुदी करे उल्टी कराएं यह क्रिया तब तक दोहराते रहें जब तक उल्टी द्वारा निकला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उल्टी न कराएं। २.यदि कपड़े और त्वचा दूषित हो जाएं तो उनको उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं। ३.यदि आँखें दूषित हो जाए तो उनको काफी मात्रा में सैलाइन/साफ पानी से लगभग १०-१५ तक धोएं। ४.यदि सांस द्वारा अंदर गया हो तो रोगी को शुद्ध हवा में ले जाएं।

विष नाशक : कोई विशिष्ट विषनाशक नहीं है। लक्षणानुसार इलाज करें।

खाली डिब्बों का निपटारा : १.खाली डिब्बों को उपयोग के बाद तोड़फोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाड़ दें। २.उपयोग के बाद खाली डिब्बों को दुबारा उपयोग में लाने के लिए बाहर खुला न छोड़ें। ३.बची हुई खरपतवारनाशक, साधनों के धोबन का योग्य रीति से निपटारा करना चाहिए जिससे पीने का पानी तथा वातावरण दूषित होने का डर न हो।

संग्रहरण की शर्तें :१. खरपतवारनाशक के पैकेटों को अलग अलग कमरों अथवा जगहों में खाद्य पदार्थ रखे जाने कमरों अथवा जगहों से अलग अलग अलमारियों में ताला चाबी के अंदर रखना चाहिए। २. जिन कमरों अथवा जगह में खरपतवारनाशक कर भंडारण करना हो वह अच्छी तरह से बना हुआ, सूखा, हवादार तथा प्रकाश युक्त व काफी लंबा चौड़ा होना चाहिए जिससे खरपतवारनाशक की भाप से वातावरण दूषित न हो पाए।

रासायनिक संरचना:

प्रेटिलाक्लोर सक्रिय तत्व	
(९४ प्रति टेक्नीकल शुद्धता पर आधारित)	: ५०.००% भार/भार
इमल्सीफायर एजेंट : एथोक्सिलेटेड वेजिटेबिल ऑयल	: ४.४% भार/भार
सरफेक्टेन्ट/वेटिंग एजेंट : एल्काइल एरियल सल्फोनेट ऑफ कैल्शियम सॉल्ट	: ३.६% भार/भार
स्टेबलाइज़र इपोक्साईड वेजिटेबिल	: ३.००% भार/भार
घोलक – सी – ९	: पर्याप्त मात्रा % भार/भार
योग	: १००.००% भार/भार

प्रेटिलाक्लोर 50% ई.सी.(निर्वाचनमूलक गुल्मनाशक)

सतर्कता : लेबल/लिफ़लेट्ट निर्दिष्टकृत छोड़ा अन्यान्य शसर जन्य व्यवहार करा वारण।

प्रटिलाक्लोर 50% ई.सी. हल प्रतिस्थापित धानेर वाৎसरिक घास, जलाशयेर निकटवर्ती स्थानে उদ্ভব হওয়া আগাছা এবংচওড়া পত্রযুক্ত আগাছাগুলির নিয়ন্ত্রণের উদ্দেশ্যে প্রাক-উদ্ভবের ভিত্তিতে ব্যবহৃত একটি নির্বাচনমূলক বিজ্ঞত পরিধির গুল্মনাশক।

সুপারিশ:

শসাসমূহ	কীটপতঙ্গের সাধারণ নাম	মাত্রাহেক্টর এ.আই. (কেজি)	প্রস্তুতি (কেজি)	জলে দ্রবণীয়তা (প্রতি লিটার)	শেষতম স্প্রে ও ফসল তোলার অন্তর্বর্তী সময়কাল (দিন হিসাবে)
প্রতিস্থাপিত ধান	এচিনোক্লোয়া ক্রাসগাল্লি, এচিনোক্লোয়া কোলোনাম, সাইপেরাস ডিফর্মিস, সাইপেরাস আইরিয়া, ফিমব্রিস্টাইলস মিলিয়ানিয়া, এক্লিপ্টা আলবা, লুডউইজিয়া পার্ভিফ্লোরা, লেপ্টোক্লোয়া চাইনেনসিস, মোনোকোরিয়া ভ্যাজিনালিস, প্যানসিয়াম রিপেনস	৫০০-৭৫০	১০০০-১৫০০	৫০০-৭৫০	৭৫-৯০

ব্যবহারের নির্দেশিকা : ফ্ল্যাট ফ্যান / ফ্লাড জেট নজলযুক্ত ন্যাপস্যাকের সাহায্যে অধিক পরিমাণ প্রয়োগের জন্য উৎপাদনটির প্রয়োজনীয় পরিমাণ ঢেলে নিন এবংসেটি নির্দেশ অনুসারে অল্প পরিমাণ জলের সঙ্গে ভালোভাবে ঝাঁকানোর মাধ্যমে মিশ্রিত করুন।

প্রয়োগের সময়: প্রতিস্থাপনের 5 দিনের মধ্যে।

সতর্কতা : ১) খাদ্যদ্রব্য, খালি খাবারের ধারকপাত্র ও পশুখাদ্য থেকে দূরে রাখুন। ২) মুখ, চোখ ও চামড়ার সংস্পর্শে আসতে দেবেন না। ৩) স্প্রের ধোঁয়া যেন নাকে না যায়। বাতাসের গতিপথের অভিমুখে স্প্রে করুন। ৪) স্প্রে করার পর যদি জামাকাপড়ে বা শরীরের কিছু অংশে লেগে গিয়ে থাকে, তবে তা খুব ভালো ভাবে ধুয়ে নিন। ৫) স্প্রে করাকালীন ধূমপান ছাড়াও কোন কিছু পান করবেন না, কিছু খাবেন না বা চিবাবেন না। ৬) মেশানো ও স্প্রে করার সময় সম্পূর্ণ সুরক্ষাদায়ী পোশাক পড়ে নেবেন।

বিষক্রিয়ার উপসর্গ: মাথার যন্ত্রণা, ক্লান্তিভাব, মাথাঘোরা, স্নায়বিক দুর্বলতা, বমিবমি ভাব, বমি হওয়া ঘটতে পারে।

প্রাথমিক চিকিৎসা : ১) গিলে ফেলে থাকলে গলার পিছন দিকটায় শুড়শুড়ি দিয়ে বমি করাবার চেষ্টা করতে হবে। এটা বার বার করতে হবে যতক্ষণ না সবটুকু বিষাক্ত পদার্থ বেরিয়ে যায়। রোগী অজ্ঞান হয়ে থাকলে বমি করাবার চেষ্টা করবেন না। ২) যদি জামাকাপড়ে বা শরীরের কিছু অংশে লেগে গিয়ে থাকে তবে পোশাক বদলে ফেলুন এবং চামড়ার যে অংশে লেগেছে তা প্রচুর সাবান ও জল দিয়ে ধুয়ে ফেলুন। ৩) যদি চোখে গিয়ে থাকে তবে ১০-১৫ মিনিট ধরে প্রচুর পরিমানে স্যালাইন বা পরিস্কার জলের ঝাপটা দিন। ৪) যদি গন্ধ নাকে গিয়ে থাকে তবে রোগীকে খোলা হাওয়ায় নিয়ে আসতে হবে।

প্রতিষেধক : বিশেষ কোন প্রতিষেধক জানা নেই। উপসর্গ অনুযায়ী চিকিৎসা করতে হবে।

ব্যবহৃত ধারকপাত্রগুলির সুষ্ঠু বন্দোবস্ত : ১) প্রস্তুতকারক, কীটনাশক মিশ্রণকারী ও ব্যবহারকারীদের কর্তব্য হলো কীটনাশকের প্যাকেট বা অতিরিক্ত বিষাক্ত দ্রব্যগুলির সুষ্ঠু বন্দোবস্ত করা এবং তা নিরাপদ উপায়ে ধুয়ে ফেলা যাতে পরিবেশ ও জল দূষণ রোধ করা যায়। ২) পুনরায় ব্যবহার রোধ করার জন্য ব্যবহৃত কীটনাশকের ধারকপাত্রগুলিকে বাইরে ফেলে রাখা যাবে না। ৩) খালি ধারকপাত্রগুলিকে ভেঙে ফেলে লোকালয় থেকে দূরে কোথাও পুঁতে ফেলতে হবে।

সংরক্ষণের শর্তাবলী : শিশু, নির্দায়িত্ব ব্যক্তি এবং গবাদি পশুর নাগালের বাইরে একটি দূরবর্তী স্থানে তালা বন্ধ অবস্থায় পৃথক আলমারিতে খাদ্য উপাদান অথবা অন্যান্য বস্তুগুলির থেকে দূরে একটি পৃথক ঘরে অথবা বাড়িতে উপাদানটির মূলক মোড়কে সংরক্ষণ করুন। সংরক্ষণের ঘরটিকে হতে হবে সুগঠিত, শুষ্ক , শীতল, উত্তম আলোযুক্ত এবং খোলা-মেলা এবং বাষ্পের দ্বারা দূষণ এড়ানোর উদ্দেশ্যে সুপরিসর।

রাসায়নিক গঠন :

প্রেটিলাক্লোর এ.আই.	
(নিন্তম বিশুদ্ধতা ৯৪% w/w a.i.)	: 50.00 % w/w
তরলকারক উপাদান (ইথক্সিলেটেড ভেষজতেল)	: 4.4 % w/w
শিক্তকারী উপাদান (ক্যালসিয়াম সল্টের ল্যালকাইল অ্যারাইল সালফোনেট)	: 3.6 % w/w
স্থিতকারক (ইপক্সডাইজড ভেষজতেল)	: 3.00 % w/w
দ্রাবক C-IX	: Q.S %
মোট	: 100.00 w/w

ପ୍ରିଟିଲାକ୍ଲୋର ୫୦% ଇ.ସି. (ସିଲେକ୍ଟିଭ୍ ହର୍ବିସାଇଡ୍)

ସାବଧାନତା: ଏହି ଲେବଲ୍/ ଲିଫଲେଟ୍‌ରେ ଦର୍ଶାଯାଇଥିବା ଶସ୍ୟ ବ୍ୟତୀତ ଅନ୍ୟ ଶସ୍ୟରେ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ।

ପ୍ରେଟିଲାକ୍ଲୋର ୫୦% ଇସି ହେଉଛି ଏକ ନିର୍ବାଚିତ ଅଙ୍କୁରଣ ପୂର୍ବବର୍ତ୍ତୀ ବ୍ୟାପକ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ ଜବଜନାଶକ ଯାହାକି ବାର୍ଷିକ ଘାସ, ମୁଥା ବା ସେଡଜ ଏବଂ ଚଉଡ଼ାପତ୍ର ବିଶିଷ୍ଟ ବାଲୁଙ୍ଗା ଲୁଆ ଯାଇଥିବା ଧାନରେ ଦମନ ପାଇଁ ବ୍ୟବହୃତ ହୋଇଥାଏ।

ସୁପାରିଶ

ଶସ୍ୟ	କୀଟର ସାଧାରଣ ନାମ	ମାତ୍ରା/ହେକ୍ଟର ଏ.ଆଇ. (କେଜି)	ପ୍ରସ୍ତୁତି (କେଜି)	ଜଳରେ ଦ୍ରବଣୀୟତା (ପ୍ରତି ଲିଟର)	ଶେଷ ସିଞ୍ଚନଠାରୁ ଅମଳ ମଧ୍ୟରେ ପ୍ରତୀକ୍ଷା ଅବଧି (ଦିନରେ)
ରୋପିତ ଲୁଆଯାଇଥିବା ଧାନ	ଇଚିନୋକ୍ଲୋଆ ଚୁସଗାଲି, ଇଚିନୋକ୍ଲୋଆ କୋଲୋନମ, ସାଇପେରସ ଡିଫରମିସ, ସାଇପେରସ ଆଇରିୟା, ଫିମବ୍ରିସ୍ଟାଇଲ ମିଲିୟାନିୟା, ଏକ୍ଲିପ୍ଟା ଆଲବା, ଲୁଡଉଇଜିୟା ପାର୍ଭିଫ୍ଲୋରା, ଲେପ୍ଟୋକ୍ଲୋୟା ଚାଇନେନସିସ, ମୋନୋକୋରିୟା ଭ୍ୟାଜିନାଲିସ, ପ୍ୟାନସିୟାମ ରିପେନସ	୫୦୦-୭୫୦	୧୦୦୦-୧୫୦୦	୫୦୦-୭୫୦	୭୫-୯୦

ବ୍ୟବହାର ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳି: ଏହି ଉତ୍ପାଦ ମାପ କରି ନିଅନ୍ତୁ ଏବଂ ଏହାକୁ ଅଳ୍ପ ପରିମାଣର ପାଣିରେ ଦର୍ଶାଯାଇଥିବା ଅନୁଯାୟୀ ଭଲ ଭାବରେ ଘାଣ୍ଟି ଦିଅନ୍ତୁ ଏବଂ ଅଧିକ ପରିମାଣର ବ୍ୟବହାର ପାଇଁ ନାପସାକ୍ ସହିତ ଫ୍ଲାଟ୍ ଫ୍ୟାନ୍/ଫ୍ଲଡ୍ ଜେଟ୍ ନୋଜଲ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ।

ପ୍ରୟୋଗର ସମୟ: ରୋଇବାର ୫ ଦିନ ମଧ୍ୟରେ।

ସାବଧାନତା: ୧. ଖାଦ୍ୟଦ୍ରବ୍ୟ, ଶୂନ୍ୟ ଖାଦ୍ୟଦ୍ରବ୍ୟ ପାତ୍ର ଏବଂ ପଶୁଖାଦ୍ୟଠାରୁ ଦୂରେଇ ରଖନ୍ତୁ। ୨. ମୁଖ, ଚକ୍ଷୁ ଏବଂ ତ୍ୱଚା ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ଆସିବା ଏଡ଼ାନ୍ତୁ। ୩. ସ୍ପ୍ରେ ମିଶ୍ର ନିଶ୍ୱାସରେ ଗ୍ରହଣକରିବା ଏଡାନ୍ତୁ। ବାୟୁ ପ୍ରବାହିତ ହେଉଥିବା ଦିଗରେ ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ। ୪. ସ୍ପ୍ରେ କରିବା ପରେ ଶରୀରର ଅଂଶ ଓ ପ୍ରଦୂଷିତ ପୋଷାକ ଭଲଭାବରେ ଧୋଇଦିଅନ୍ତୁ। ୫. ସ୍ପ୍ରେ କଲା ବେଳେ କିଛି ଖାଆନ୍ତୁନାହିଁ, ପିଅନ୍ତୁ ନାହିଁ, ଧୂମପାନ କରନ୍ତୁ ନାହିଁ କିମ୍ବା ଚୋବାନ୍ତୁ ନାହିଁ। ୬. ଗୋଳାଇଲା ବେଳେ ଏବଂ ସ୍ପ୍ରେ କଲା ବେଳେ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ସୁରକ୍ଷାତ୍ମକ ପୋଷାକ ପିନ୍ଧନ୍ତୁ।

ବିଷାକ୍ତ ପ୍ରଭାବର ଲକ୍ଷଣଗୁଡ଼ିକ: ମୁଣ୍ଡବ୍ୟଥା, ଆଳସ୍ୟ, ମୁଣ୍ଡ ଘୁଲାଇବା, ଉଦ୍‌ବେଗ, ଅଉ ଉଠାଇବା, ବାନ୍ତି ହେବା ଘଟିପାରେ।

ପ୍ରାଥମିକ ଚିକିତ୍ସା: ୧.ଯଦି ଗିଳି ଦେଇଥାନ୍ତି ଡଣ୍ଡି ପଛପଟେ ଗଚଗଚ କରି ବାନ୍ତି କରାନ୍ତୁ। ପରିଷ୍କାର ବାନ୍ତି ହେବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଏହା ଦୋହରାନ୍ତୁ। ଯଦି ରୋଗୀ ଅଚେତ ହୋଇଯାଇଥାନ୍ତି ତେବେ ବାନ୍ତି କରାନ୍ତୁନାହିଁ। ୨. ଯଦି ପୋଷାକ ଏବଂ ତ୍ୱଚା ପ୍ରଦୂଷିତ ହୋଇଯାଇଥାଏ, ପୋଷାକ ବାହାର କରିଦିଅନ୍ତୁ ଏବଂ ପ୍ରଦୂଷିତ ପୋଷାକକୁ ଯଥେଷ୍ଟ ପରିମାଣର ସାବୁନ ଓ ପାଣିରେ ଧୋଇ ଦିଅନ୍ତୁ। ୩. ଯଦି ଚକ୍ଷୁ ପ୍ରଦୂଷିତ ହୋଇଛି, ଯଥେଷ୍ଟ ସାଲାଇନ୍/ ପରିଷ୍କାର ପାଣି ପ୍ରାୟ ୧୦ରୁ ୧୫ ମିନିଟ୍ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଛାଡନ୍ତୁ। ୪. ଯଦି ନିଃଶ୍ୱାସରେ ଗ୍ରହଣ କରିଛନ୍ତି, ରୋଗୀକୁ ତାଜା ପବନକୁ ବାହାର କରି ଆଣନ୍ତୁ।

ଜୀବଜଗତ ପ୍ରତି ବିଷାକ୍ତତା: ଯେତେବେଳେ ଅନୁମୋଦିତ ମାତ୍ରାରେ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଏ, ଏହି ଉତ୍ପାଦ ଜୀବଜଗତ ପ୍ରତି ବିଷାକ୍ତ ହୋଇନଥାଏ।

ବିଷନାଶକ: ଜୋଇସି ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ବିଷନାଶକ ବିଷୟରେ ଜଣାନାହିଁ। ଲକ୍ଷଣ ଅନୁଯାୟୀ ଚିକିତ୍ସା କରନ୍ତୁ।

ବ୍ୟବହୃତ ପାତ୍ରର ନିକ୍ଷେପଣ: ୧. ପରିବେଶ ଓ ଜଳ ପ୍ରଦୂଷଣ ପ୍ରତିହତ କରିବା ପାଇଁ ପ୍ୟାକେଜ୍ କିମ୍ବା ବଳକା ସାମଗ୍ରୀ ଓ ଧୋଇବାରୁ ବାହାରିଥିବା ପାଣି ସୁରକ୍ଷିତ ଭାବରେ ନିକ୍ଷେପଣ କରିବା ହେଉଛି ପରିଚାଳନାକାରୀ ଏବଂ କୀଟନାଶକ ପ୍ରସ୍ତୁତିକାରୀ, ଉତ୍ପାଦନକାରୀଙ୍କର ଦାୟିତ୍ୱ। ୨. ବ୍ୟବହୃତ ପ୍ୟାକେଜ୍‌ଗୁଡିକର ପୁନଃବ୍ୟବହାର ପ୍ରତିହତ କରିବା ପାଇଁ ଏହା ବାହାରେ ଛାଡ଼ିଦିଆଯିବ ନାହିଁ। ୩. ଏହି ପ୍ୟାକେଜ୍‌ଗୁଡିକୁ ଲାଂଗି ଜନବସତି ଠାରୁ ଦୂରରେ ପୋତି ଦିଆଯିବ।

ସଂରକ୍ଷଣ ସ୍ଥିତିଗୁଡ଼ିକ: ଏହି ପଦାର୍ଥକୁ ଏହାର ମୂଳ ପ୍ୟାକ୍‌ରେ ଟାଇଟ କରି ବନ୍ଦ କରି, ଛୋଟ ପିଲା, ଗୃହପାଳିତ ପଶୁ ଏବଂ ଦାୟିତ୍ୱହୀନ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କଠାରୁ ଦୂରେଇ ରଖନ୍ତୁ ଏବଂ ଖାଦ୍ୟଦ୍ରବ୍ୟ,ପଶୁଖାଦ୍ୟ ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ସାମଗ୍ରୀ ସାଇତି ରଖାଯାଉଥିବା କୋଠରୀଠାରୁ ଭିନ୍ନ କୋଠରୀରେ ତାଲାବାନ୍ଧି ପଚାଇ ରଖନ୍ତୁ। ସାଇତି ରଖିବା ପାଇଁ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ କୋଠରୀ କିମ୍ବା ପରିସର ପୁନିର୍ମିତ, ଆଲୋକିତ, ଉତ୍ତମ ବାୟୁଚଳାଚଳ ବିଶିଷ୍ଟ, ଶୁଷ୍କ ଓ ବାଷ୍ପଜନିତ ପ୍ରଦୂଷଣ ଏଡ଼ାଇବା ପାଇଁ ଯଥେଷ୍ଟ ଆକାରର ହୋଇଥିବା।

ରାସାୟନିକ ଗଠନ :

ଆଡ୍ରାକାଇନ ଟେକ୍ନିକାଲ୍ ପ୍ରେଟିଲେକୋର ଏ.ଆଇ. (ସର୍ବନିମ୍ନ ୯୪% ଡବ୍ଲୁ/ଡବ୍ଲୁ ଏ.ଆଇ.)	: ୫୦.୦୦ % ଡବ୍ଲୁ/ଡବ୍ଲୁ
ଏମଲସିଫାଇଜ୍ ଏଜେଣ୍ଟ (ଇଥୋକ୍ସିଲେଟେଡ୍ ଭେଜିଟେବୁଲ୍ ଅଇଲ)	: ୪.୪ % ଡବ୍ଲୁ/ଡବ୍ଲୁ
ୱେଟିଂ ଏଜେଣ୍ଟ (କ୍ୟାଲସିଅମ୍ ସଲ୍ଫର ଆଲକାଇଲ୍ ଆରିଲ୍ ସଲଫୋନେଟ୍)	:୩.୬% ଡବ୍ଲୁ/ଡବ୍ଲୁ
ଷ୍ଟାବିଲାଇଜର (ଏପୋକ୍ସିଡାଇଜ୍ଡ ଭେଜିଟେବୁଲ୍ ଅଇଲ)	: ୩.୦୦% ଡବ୍ଲୁ/ଡବ୍ଲୁ
ସଲଭେଣ୍ଟ ସି-ଆଇଏକ୍ସ	: ଖ.ଗ %
ମୋଟ	: ୧୦୦.୦୦% ଡବ୍ଲୁ/ଡବ୍ଲୁ

ପ୍ରେଟିଲାକ୍ଲୋର 50% ଇସି (ବିସ୍ତୃତ ଚର୍ଯ୍ୟଗଲ କଲୁପୁନାଶନି.)

ହେଚ୍ଚରିତ : ଜଣପରଚିନ କରପ୍ରତ୍ୟୁଲ ପୈର୍ଯ୍ୟନ୍ସ ପ୍ରେଟ୍ଲପୈନ୍ ଈ ମନ୍ଦରୁ ଉପଯୋଗିଚବଲିନ. ମିଗଙ୍ଗପ୍ରେଟ୍ଲପୈ ଉପଯୋଗିଚରାଦୁ.

ପ୍ରେଟିଲାକ୍ଲୋର୍ 50% ଇସି ବିସ୍ତୃତ ଚର୍ଯ୍ୟଗଲ କଲୁପୁନାଶନି. ବରିପ୍ରେରୁଲୋନି ଗଡ୍ଡିଜାତି, ଭାରଦ କଲୁପୁମୋୟ୍କୁଲ ମରିୟୁ ବେଡଲ୍ଚାରୁ ଜାତିଗଲ କଲୁପୁ ମୋୟ୍କୁଲନୁ ସମର୍ଥବନ୍ତମଗା ଅରିକଟ୍ଟୁନୁ.

ଶିଫାରସୁଲୁ:

ପୈଝୁ	କଲୁପୁମୋୟ୍କୁଲ ସାଧାରଣ ନାମୁ	ମୋତାଦୁ / ପୈଚ୍ଚାରୁକୁ ସ.ପ (ଗ୍ର.)	ଫାର୍ଦୁଲେସନ୍ ଦ୍ରାବଣମ (ଗ୍ରମୁଲ୍ଲୁ)	ନୀଟିଲୋ ପଲୁଚନ (ଲିଟର୍ଲୁ)	ଚିବରିବାଡକଂ ମରିୟୁ କୀତ ମଧ୍ୟ ବ୍ୟବଧି ସମୟମୁ (ଡଜ୍‌ଲଲୋ)
ବରି (ନାଟିନ ପୈରୁ)	ଡଂଗବରି ଜ୍ରମ୍ଭାଣ୍ଡଂଗ ରାଂସିଣ୍ଡଂଗ ଗଂଡଟଗଲପରାକୁ ଗୁଦ୍ରପୁଡେକ୍ସ ନିରୁକଂଚ ପ୍ୟାନିକଂ ରିପେନ୍ସ୍	500-750	1000-1500	500-700	75-90

ସୁଚନଲୁ: ଡ୍ରପ୍ପିପାଟି ନୀଟିଲୋ ଅବସରପ୍ରମୁନ ପରିମାଣଂଲୋନି ପ୍ରୋଟିଲାକ୍ଲୋର୍ 50%ଇସି ନି କଲିପି, ତଦୁପରି ମିଗଙ୍ଗ ନୀଟିନୁ କଲିପି ଅଧିକ ନିଟି ପରିମାଣଂଗଲ ଫ୍ଲାଟ୍‌ଫ୍ୟାନ୍/ ଫ୍ଲଡିଜେଟ୍ ନାଜିଲ୍ ବିଗିଂଚବଡିନ ନାପ୍‌ସାକ୍ ସ୍ପ୍ରେୟରୁନୁ ପୁପୟୋଗିଂଚଲିନ.

1 ଉପଯୋଗିଂଚୁ ସମୟଂ : ବରିପ୍ରେରୁ ନାଟିନ 5 ରୋଜୁଲଲୋନି ଉପଯୋଗିଂଚଲିନ.

ମୁଂଦୁ ଜାଗ୍ରତ୍ତୁଲୁ : 1. ଅହାର ପଦାର୍ଥୁଲୁ , ଖାଳି ଏଂଟ ସାମଗ୍ରି ମରିୟୁ ପଶୁବୁଲ ଦାଣାଲକୁ, ମେତକୁ ଦୁରଂଗା ଦିନ୍ସୁ ଉଂଚଂଡି. 2. ଦିନ୍ସୁ ନୋଟିକି, ଚର୍ମୁନିକି ଅଂଟକୁଂଡା, କଳ୍ଳୁଲୋ ପଡକୁଂଡା ଜାଗ୍ରତ୍ତ ପପିଂଚାଲି. 3. ସ୍ପ୍ରେ ଦ୍ରାବକପୁ ପୋଗମଂଦୁନୁ ପିଲ୍ଚୁରାଦୁ. ପିଚିକାରିନି ଗାଲିବାଟଂ ଚୂସୁକୋନି ପିଚିକାରି ଚେସୁକୋଲି. 4. କଲୁଷିତମୁନ ବଟ୍ଟୁଲ୍ଲି ଶରିରାନ୍ସି ଶୁଭ୍ରଂଗା କଡୁକ୍ସ୍ୟିବାଲି 5. ଦିନ୍ସୁ ପିଚିକାରି ଚେସୁକୋନୈଟପ୍ରୁଡୁ ଏଦୈନ ତିନଡୁ, ପୋଗପିଲ୍ଚଡୁ ପୋଗକୁ ନମଲଡଂ ଲାଂଟି ପନୁଲୋମି ଚେୟରାଦୁ. 6. ମିଶ୍ରମାନ୍ସି କଲୁପୁକୁନୈଟପ୍ରୁଡୁ ମରିୟୁ ପିଚିକାରି ଚେସୁକୁନୈଟପ୍ରୁଡୁ ପୁରୁଗ୍ରି ରକ୍ଷଣ ଦୁସ୍ତୁଲ୍ଲି ଧରିଂଚାଲି.

ବିପଲକ୍ଷଣମୁଲୁ: ତଲନପ୍ପି, ମଗତ, ନିରୁତ୍ସାହଂ, ବାଂତୁଲୁ ବଚ୍ଚୈଲା ଅନିପିଂଚଡଂ, ବାଂତୁଲୁ, ନିଦ୍ରଲେମି ବଂଟିମି କନବଡତାୟ.

ପ୍ରଥମ ଚିକିତ୍ସ : 1. ଒କବେଳ ମ୍ରିଂଗିନପ୍ଟୁଯୈତେ, ବାଂତି ଚେୟିଂଚାଲି. ବାଂତି ପୁରୁଗ୍ରି ଚେୟିଂଚାଲି. ରୋଗି ସ୍ପୃଚାଲୋ ଲେନପ୍ଟୁଯୈତେ ବାଂତି ଚେୟିଂଚରାଦୁ. ଲେଦା ନୋଟି ଦ୍ୱାରା ଏଦୈନ ଦ୍ରବପଦାର୍ଥୁଂ ଇବ୍ବରାଦୁ. 2. ବଟ୍ଟୁଲୁ ମରିୟୁ ଚର୍ମଂ କଲୁଷିତମୈତେ ବଟ୍ଟୁଲ୍ଲି ଶିପିବେସି ବେଂଟନେ ସବ୍ବୁ ବାଡୁକୁଂ ଶୁଭ୍ରଂଗା ସ୍ନାନଂ ଚେୟାଲି. 3. ଒କବେଳ ଇଦି କଳ୍ଳୁଲୋ ପଡିତେ ମାମୁଲୁ ସଲାଇନ୍ ବାଟର୍‌ନୁ 10 ନୁଂଡି 15 ନିମିପାଲ ବରକୁ କଳ୍ଳୁଲୋ କଟ୍ଟୁକୁଂଟୁ ଶୁଭ୍ରପର୍ଚୁକୋବାଲି. 4. ଒କବେଳ ଲୀନିଷି ପିଲ୍ଚିପଟ୍ଟୁଯୈତେ, ବେଂଟନୈ ରୋଗିନି ଗାଲି, ବୈଲୁଂଚୁରୁ ଉନ୍ସୁଚୈଟ ଉଂଚାଲି.

ବିରୁଗୁଦୁ: ପ୍ରତ୍ୟେକମୈନଦି ଏମିୟୁଲେଦୁ. ରୋଗି ଲକ୍ଷଣମୁଲନୁ ବଟ୍ଟି ଚିକିତ୍ସ ଚେୟଂଡି.

ଖାଳି ଡବ୍ବୁଲନୁ ପାରବୈୟୁଟ : 1. ଖାଳି ଡବ୍ବୁଲନୁ, ମିଗିଲିପୋୟିନ ମଂଦୁ, ମରିୟୁ ପରିକରାଲୁ କଡୁଗଂଗା ପଚ୍ଚିନ ନୀଟିନି କଡୁ ଜାଗ୍ରତ୍ତ ପପିସ୍ତୁ ଅଂଟୈ ପରିସରାଲୁ, ନିରୁ, ନୀଟିବସରୁଲୁ କଲୁଷିତଂ କାକୁଂଡୁ କାପାଡୁକୁଂଟୁ ପାରବୈସୁକୋବାଲି. 2. ଖାଳି ଡବ୍ବୁଲନୁ ତିରିଗି ଏ ବିଧଂଗାନୁ ବାଡରାଦୁ ଗସୁକ ବାଟିନି ବୟଟ ଅଲା ପଡଲୈୟରାଦୁ. 3. ଖାଳି ଡବ୍ବୁଲନୁ ପଗୁଲକ୍ଟୁଟ୍ଟି ମନୁଷ୍ୟୁ ସଂଚାରାନିକି ଦୁରଂଗା ପାତିପେଟ୍ଟୁଲି.

ମଂଦୁ ନିଲ୍ୟ : 1. ଟିଟକନଶନୁଲନୁ